साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** | संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 3 | अंक : 49 — गोंदिया : गुरुवार, दि. 13 जुलाई से 19 जुलाई 2023 — पृष्ठ : 4 — मूल्य : रु. 5

उड़ान पुल दुपहिया दुर्घटना दूसरे जख्मी ने नागपुर में उपचार के दौरान तोड़ा दम मृतक संख्या 2

बुलंद गोंदिया। गोंदिया शहर के उड़ान पुल पर 10 जुलाई की दोपहर हुई 2 दुपहिया के आमने-सामने की भिड़ंत में दूसरे जख्मी खातिया निवासी अमित रहिले कि नागपुर में उपचार के दौरान मौत हो गई इस दुर्घटना में मृतकों की संख्या 2 हो गई। गोंदिया शहर के उड़ान पुल पर 10 जुलाई की दुर्घटना में चार लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे जिसमें एक जख्मी कनहारटोला पिंडकेपार निवासी सचिन बघेले की गोंदिया के शासकीय चिकित्सालय में मौत हो गई थी।

वहीं दूसरे जख्मी खातिया निवासी अमित रहिले की स्थिति गंभीर होने से उसे आगे के उपचार के लिए नागपुर के शासकीय मेडिकल कॉलेज में भेजा गया जिसकी उपचार के दौरान 11 जुलाई की दोपहर मौत हो गई जिससे इस दुर्घटना में मृतकों की संख्या 2 हो गई तथा अन्य दो जख्मियों का इलाज गोंदिया के शासकीय जिला चिकित्सालय में चल रहा है।

आंगनवाड़ी कर्मचारियों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर निकाला मोर्चा

» विविध मांगों को लेकर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

बुलंद गोंदिया- आंगणवाड़ी कर्मचारी संगठना (सीआईटीयू) जिला गोंदिया की ओर से अपनी विविध मांगों को लेकर 10 जुलाई को जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष मोर्चा ले जाकर धरना आंदोलन किया गया एवं बाद में अपनी मांगों से संबंधित निवेदन जिलाधिकारी को सौंपा गया। मोर्चे का नेतृत्व संगठन के अध्यक्ष प्रेमलता तेलसे एवं सचिव कल्पना पटले ने किया। बड़ी संख्या में आंगणवाड़ी सेविका एवं सहायिका तथा मिनी आंगनवाड़ी सेविकाओं ने इस आंदोलन में शामिल होकर काला दिन मनाया। संगठन के नेताओं ने कहा कि आज हुए इस आंदोलन में राज्य के सभी जिलों की आंगनवाड़ी सेविका एवं सहायिकाएं सम्मिलित हुई है।

शिशु के स्वास्थ्य के लिए टीकाकरण आवश्यक - चिन्मय गोतमारे

बुलंद गोंदिया

आज के बच्चे कल देश का भविष्य हैं। अत: स्वास्थ्य की दृष्टि से हमारे बच्चों को स्वस्थ एवं मजबूत रखने के लिए नियमित टीकाकरण कराना आवश्यक है व कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहेजिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे। जिलाधिकारी कार्यालय के सभाकक्ष में नियमित टीकाकरण सशक्तिकरण एवं विशेष मिशन इंद्रधनुष मिशन 5.0 अभियान पर जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक में बोल रहे थे. इस अवसर पर जिप मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पाटिल, डॉ. साजिद (एसएमओ) नागपुर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन वानखेड़े, जिला सर्जन डॉ. अमरीश मोहबे, अतिरिक्त जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश सुतार, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. नितिन कापसे उपस्थित थे। बच्चों के लिए निवारक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने पर जोर दिया जाना चाहिए। प्रसव के 24 घंटे के अंदर शिशु को हेपेटाइटिस-बी का टीका लगवाना चाहिए। जिले के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में प्रसव के बाद शिशुओं के लिए पर्याप्त टीकाकरण दर अधिक है। जिलाधिकारी ने कहा कि निजी नर्सिंगहोम व अस्पतालों में प्रसव के बाद बच्चों को हेपेटाइटिस-बी का टीका लगाने की दर कम है और इसे बढ़ाना जरूरी है। खसरा रूबेला टीकाकरण और जापानी एन्सेफलाइटिस टीकाकरण को बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने शून्य से दो वर्ष तथा दो से पांच वर्ष तक के टीकाकरण से वंचित बच्चों का टीकाकरण करने तथा जिन बच्चों का टीकाकरण नहीं हुआ है उनका उम्र के अनुसार टीकाकरण करने का निर्देश दिया।

आपके नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में सभी टीके नि:शुल्क उपलब्ध कराये जाते हैं। इसलिए उन्होंने कहा कि हमें स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से संपर्क करना चाहिए और अपने बच्चे का पूर्ण टीकाकरण करवाना चाहिए। बैठक में बताया गया कि विशेष मिशन रेनबो मिशन 5.0 अभियान के तहत टीकाकरण अभियान 7 से 12 अगस्त 2023 तक, द्वितीय चरण 11 से 16 सितम्बर 2023 तक, तृतीय चरण 9 से 14 अक्टूबर 2023 तक चलाया जायेगा। इस अवसर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के सर्वे मेडिकल ऑफिसर डॉ. साजिद ने प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। सभा में डॉ. बीडी जायसवाल, डॉ. संजय भगत, डॉ. निरंजन अग्रवाल,डॉ. वेद प्रकाश चौरगड़े, डॉ.मनीष तिवारी, डॉ.सलिल पाटिल, डॉ.शुशांकी कापसे, डॉ.स्वाति घोडमारे, डॉ.ललित कुकड़े, डॉ.विजय राऊत, डॉ.अमित कोडनकर, डॉ.प्रेमकुमार बघेले, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग संजय गणवीर, सहायक परियोजना अधिकारी श्रीमती आरपी मिश्रा उपस्थित थे।

सरेआम बिक रहा सुगंधित पान मसाला और गुटखा

बुलंद गोंदिया-शहर में प्रतिबंधित गुटखा पाउच सरेआम बिक्री हो रहा है। ख खानेवाले शौकिनों की संख्या दिनोंदिन बढ़ रही है। 7 बावजूद इनकी अवैध तरीके से बिक्री करनेवालों पर कार्रवाई होते नहीं दिख रही है। गौरतलब है कि गोंदिया जिले की सीमा मध्यप्रदेश से सटी होने के कारण यहां मध्यप्रदेश से बड़े पैमाने पर प्रतिबंधित गुटखा पाउच सप्लाय होता है। पान पराग एवं पान बहार की मांग जिले में अधिक होती है। वहीं राजश्री, विमल सहित अन्य सुगंधित गुटखा पाउच भी जमकर बिक्री हो रहा है। बावजूद संबंधित विभाग द्वारा कार्रवाई नहीं की जा रही है। बता दें कि शहर सहित समूचे गोंदिया जिले में तंबाकू मिश्रित खर्रा बड़े पैमाने पर बनाया जाता है। हर गली मोहल्ले में इसकी दुकानें है। जहां खर्रा के साथ ही सुगंधित तंबाकूयुक्त गुटखा बिक्री धड़ल्ले से होता है। इतना ही नहीं तो गोंदिया से गुजरने वाली ट्रेनों या फिर इस स्टेशन से चलने वाली ट्रेनों में बड़े पैमाने पर प्रतिबंधित गुटखा पाउच बेचा जा रहा है। आखिर ट्रेनों में गुटखा पाउच बैन है भी या नहीं ? इस तरह का सवाल अब निर्माण होने लगा है।

नशे और मौजमस्ती के लिये चोरी
13 आईफोन सहित ढाई लाख रु. के 10 महंगे मोबाईल जब्त

नागपुर रेलवे क्राइम ब्रांच पुलिस की कार्रवाई, गोंदिया आऊटर पर संदिग्ध अवस्था में पकड़ा

बुलंद गोंदिया। रेलवे स्टेशन गोंदिया की सीमा से दौड़ने वाली यात्री ट्रेनों में घुसकर यात्रियों के महंगे मोबाइल फोन चुराने वाले शातिर चोर को पकड़ने में नागपुर रेलवे की क्राइम ब्रांच टीम को सफलता हाथ लगी है। नागपुर रेलवे पुलिस अंतर्गत पुलिस टीम को गोंदिया की सीमा अंतर्गत कुछ दिनों से बैग, पर्स, मोबाइल चोरी की घटनाओं में वृद्धि को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों से निर्देश प्राप्त हो रहे थे। इन घटनाओं की रोकथाम और आरोपियों पर शिकंजा कसने नागपुर रेलवे क्राइम ब्रांच टीम लगातार जांच में जुटी हुई थी। रेलवे क्राइम ब्रांच टीम को 7 जुलाई को जांच पड़ताल के दौरान एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में गोंदिया रेलवे के आऊटर लाइन पर (चंद्रपुर/नागपुर) में हाथ में एक थैली लेकर जाते मिला। उस युवक को संदिग्ध अवस्था में दिखने पर उसे पकड़कर उससे पूछताछ की गई। उसने अपना नाम साहिल प्रकाश गौर (उम्र 22 वर्ष) निवासी भीमनगर, राधाकृष्ण वार्ड गोंदिया, हाल मुकाम तारपुरी परिजात कॉलोनी, दुर्ग छत्तीसगढ़ बताया। जब उसके पास के बैग की तलाशी ली तो उसमें अलग अलग कंपनी के महंगे मोबाईल फोन बरामद हुए। मोबाइलों के बारे में पूछने पर आरोपी ने ये मोबाइल गोंदिया से गुजरने वाली यात्री ट्रेनों से चोरी करने की कबूली दी। तथा ये मोबाइल फोन बेचने के इरादे से दुर्ग से गोंदिया आना बताया।बैग में रखे मोबाइल की जांच करने पर एक मोबाईल ओप्पो कं. मॉडल नं. प्रो1/11 इसकी गोंदिया रेलवे पुलिस में अपराध क्र 106/2023 धारा 379 भादवि मामला दर्ज है। वही एक गोल्डन रंग का आईफोन 13 प्रो, जिसकी किंमत 1 लाख 31 हजार है ये फोन उसने 6 जुलाई 2023 को शिवनाथ एक्सप्रेस से चोरी करने का गुनाह कबूल किया। अन्य मोबाइल फोन नागपुर, भंडारा, गोंदिया की सीमा में चलती ट्रेनों से उड़ाने की जानकारी दी।उक्त आरोपी गोंदिया शहर में घरफोडी व चोरी के मामलों में लिप्त पाया गया। तथा अब रेलवे सीमा में चोरी कर रहा था। आरोपी ने बताया कि वो चोरी सिर्फ नशे व मौजमस्ती के शौक को पूरा करने के लिए करता था। उसके पास से 10 महंगे अलग अलग कंपनी के मोबाइल फोन जिनकी किंमत तकरीबन 2 लाख, 59 हजार 948 रुपये बताई गई उसे जब्त कर आगे की कार्रवाई हेतु गोंदिया रेलवे पुलिस के सुपुर्द किया गया। ये कार्रवाई डॉ. अक्षय शिंदे-पोलीस अधीक्षक रेलवे नागपुर, श्रीमती वैशाली शिंदे अपर पोलीस अधीक्षक, लोहमार्ग नागपुर व हेंमत शिंदे उपविभागीय पोलीस अधिकारी, लोहमार्ग नागपुर के मार्गदर्शन में विकास कानपिल्लेवार-पोलीस निरीक्षक, स्था गु.शाखा, के निर्देश पर रेलवे क्राईम ब्रांच के पुलिस उपनिरीक्षक प्रविण भिमटे, पो हवा. महेंद्र मानकर, पो हवा.राजेश पोली, पो.ना. विनोद खोब्रागडे, पो.ना. अविन गजबे, पो शि. चंद्रशेखर मदनकर, पो शि. राहुल यावले, पो.शि. गिरीश राउत, पो.शि. पंकज बांते, चा पो शि. मंगेश तितरमारे ने की।

स्कूल में शिक्षकों की करो नियुक्ति अन्यथा शाला को लगाएंगे ताला

» हलबीटोला वासियों ने गट शिक्षणाधिकारी को निवेदन देकर दी चेतावनी

बुलंद गोंदिया (संवाददाता सालेकसा)- सालेकसा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम हलबीटोला जिला परिषद की मराठी स्कूल में विद्यार्थी तो है लेकिन शिक्षक नहीं है। उपरोक्त शाला में जल्द से जल्द शिक्षकों की भर्ती करें अन्यथा स्कूल को ताला लगाने की चेतावनी हलबीटोला निवासियों द्वारा गट शिक्षणाधिकारी को पत्र देकर की है। गौरतलब है कि शासकीय स्कूलों में वैसे भी विद्यार्थियों की संख्या दिनों दिन कम होती जा रही है किंतु जहां विद्यार्थियों की संख्या अधिक है वहां प्रशासन द्वारा शिक्षकों की भर्ती नहीं की जाती है। इसी प्रकार का एक मामला सालेकसा तहसील के अंतर्गत आने वाली पुरानी जिला परिषद मराठी माध्यमिक शाला हलबीटोला का मामला सामने आया है। जहां कक्षा पहली से सातवीं तक में सैकड़ों विद्यार्थियों की संख्या है किंतु एक भी स्थाई शिक्षक उपरोक्त शाला में नहीं है जिससे स्कूल की दयनीय अवस्था सामने आ रही है। जिसे देखते हुए शाला व्यवस्थापन समिति व नागरिकों के प्रतिनिधि मंडल द्वारा गट शिक्षणाधिकारी पंचायत समिति सालेकसा को निवेदन देकर शिक्षकों की नियुक्ति की मांग की तथा चेतावनी दी कि यदि 2 दिनों के अंदर स्थाई शिक्षकों की व्यवस्था नहीं की जाती तो नागरिक पालक वह विद्यार्थियों सहित तहसील कार्यालय के प्रांगण में आमरण अनशन शुरू करने के साथ ही स्कूल को ताला ठोका जाएगा। उपरोक्त निवेदन की प्रति तहसीलदार, गट विकास अधिकारी, पुलिस निरीक्षक सालेकसा को भी दिया गया। निवेदन देते समय शाला व्यवस्थापन समिति के अध्यक्ष दीपावली परतेती, अध्यक्ष बबलू मानकर, प्रल्हाद वाढई,सुधिर भांडारकर, बाजीराव तरोने,अनिल चौधरी, बानू किरसान, अंजय घरडे, शंकर राउत,धर्मानंद राउत, माणिक राउत,विश्वनाथ भोयर, इंद्रकला बावनथडे, रविता वलथरे, लक्ष्मीबाई तरोने,रत्नमाला किरसान, भुमेश्वरी भोयर, ज्योती जंगेरे, कला गावराने, सविता घरडे, माहेश्वरी भोयर सहित अनेक पालक व नागरिक उपस्थित थे।

स्कूल में विद्यार्थियों की संख्या अधिक शिक्षकों की कमी हलबीटोला .मराठी स्कूल में विद्यार्थियों की संख्या अधिक है किंतु शिक्षकों की कमी है नागरिकों व पालकों की मांग जायज है किंतु तहसील में शिक्षकों की कमी है फिर भी हम प्रयास कर जल्द से जल्द शिक्षक देने का कार्य करेंगे।

- विशाल डोंगरे
बीईओ पंचायत समिति सालेकसा।

नशा मुक्त समाज बनाने में प्रत्येक व्यक्ति निभाए अग्रणी भूमिका - अभिजित इलमकर

सतनाम नशामुक्ती केंद्रा का उदघाटन

बुलंद गोंदिया। किसी भी प्रकार का नशा मनुष्य के सामाजिक, आर्थिक एवं शरीर को नुकसान पहुंचाता है। इसका परिणाम असाध्य बीमारी के रूप में सामने आता है, वर्तमान समय में समाज को नशा मुक्त बनाने की महती आवश्यकता है जिसके लिए हर एक व्यक्ति को जागरूक कर नशा मुक्त समाज की स्थापना की जा सकती है। जिसके लिए स्वयंसेवी संस्थाओ ने आगे आकर नशा मुक्त समाज के लिए जनजागृति करना चाहिए। आज समाज में नाबालिग बच्चो से लेकर युवा,बुजुर्ग तक नशे के आदि हो रहे है। उक्त विचार सतनाम नशामुक्ती केंद्रा के उदघाटन के अवसर पर वन अधिकारी अभिजित इलमकर ने व्यक्त किये। स्व.झुलनबाई बहुउद्देशीय संस्था द्वारा सुरु सतनाम नशामुक्ती केंद्रा का उदघाटन वन अधिकारी पेंच अभिजित इलमकर के हस्ते किया गया इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष सौ.मंगला लोकेशचिर्वतकर(शेन्दरे), उपाध्यक्षा सचिन बन्सोड,सचिव टेकराम चिर्वतकर , सामाजिक कार्यकर्ता अमर राहुल उपस्थित थे।

घर के सामने से एक्टिवा चोरी

गोंदिया- गोंदिया शहर थानांतर्गत पुलिस गोविंदपुर निवासी फरियादी राजेश गेंदलाल मेश्राम (40) के घर के सामने सड़क पर खुली जगह में रखी नेवी ब्लू रंग की होंडा एक्टिवा गाड़ी क्र. एमएच-35/एटी-3419 कोई अज्ञात चोर मौका पाकर चुरा ले गए। यह घटना 5 जुलाई की रात 9 से 6 जुलाई को सुबह 6 बजे के दौरान घटित हुई। फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने भादंवि की धारा 379 के तहत मामला दर्ज किया है।

संपादकिय...

लंबी चलेगी लड़ाई

महाराष्ट्र में इन दिनों राजनीति काफी गर्म है। एनसीपी में दोनों गुट आमने सामने हैं और शक्ति प्रदर्शन की बात कर रहे हैं। अजित पवार के खेमे में ज्यादा विधायक हैं, लेकिन शरद पवार के पास पार्टी बचाने लायक विधायक तो हैं ही। मुंबई में लगभग पूरा दिन वनडे क्रिकेट मैच जैसा रोमांच लिए रहा। हालांकि मुकाबला क्रिकेट का नहीं, राजनीति का था। ह्रष्टक्के परस्पर विरोधी दोनों धड़ों ने शक्ति प्रदर्शन के लिए यही दिन चुना। इसीलिए सुबह से ही कयास लगने शुरू हो गए कि किसकी मीटिंग में ज्यादा विधायक आते हैं। वैसे इसमें कोई संदेह पहले भी नहीं था कि ज्यादा विधायक अजित पवार के साथ होंगे। कारण यह कि इस खेमाबदल अभियान का मुख्य तत्व ही विधायक थे। शिवसेना में पिछले साल हुई फूट की तरह इस बार एनसीपी में भी विधायक ही निशाना थे। जाहिर है, अजित पवार और उनके साथ एनसीपी के लगभग पूरे शीर्ष नेतृत्व ने अधिकतर विधायकों का समर्थन सुनिश्चित करने के बाद ही सरकार में शामिल होने का फैसला किया होगा। इस लिहाज से देखा जाए तो अजित पवार ग्रुप दावे के मुताबिक विधायकों को मंच पर पेश नहीं कर सका। दलबदल विरोधी कानून से बचने के लिए जरूरी दो तिहाई की संख्या भी पूरी नहीं हुई। हालांकि नेताओं ने बताया कि उनके कुछ विधायक इसलिए नहीं पहुंच सके क्योंकि वे ट्रैफिक में फंस गए थे और कुछ अन्य शहर से बाहर थे। दूसरी तरफ, शरद पवार के साथ विधायकों की संख्या कम थी, लेकिन फिर भी इतनी तो थी ही, जिसके आधार पर यह माना जाए कि पार्टी का तंबू पूरा नहीं उखड़ा है। हालांकि, शरद पवार का जोर विधायकों की संख्या पर नहीं था। उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक मेरे साथ हैं। जाहिर है, यह लड़ाई आगे लंबी चलने वाली है। जैसा दृश्य कुछ समय पहले शिवसेना में हुए विभाजन के बाद दिखा था, वैसा ही सीन एनसीपी के साथ भी बनता दिख रहा है। मगर इस बार सुप्रीम कोर्ट के पिछले दिनों आए ऐतिहासिक फैसले की रोशनी उपलब्ध है, जिसमें तथ्यों की छानबीन की जानी है। उस लिहाज से पार्टी पर कब्जे का फैसला सिर्फ विधायकों की संख्या पर निर्भर नहीं करता। लेकिन सबसे बड़ा सवाल शरद पवार के इस दावे का है कि पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक उनके साथ हैं। स्वाभाविक ही इस दावे को अजित पवार खेमा चुनौती देगा। यानी राज्य में रैलियों और जवाबी रैलियों का सिलसिला देखने को मिल सकता है। इस बार महाराष्ट्र में यह विशेष स्थिति उत्पन्न हो गई है कि दो बड़ी पार्टियों का मुख्य नेतृत्व अलग है और प्रमुख नेताओं की दूसरी पांत अलग। शिवसेना की तरफ से उद्धव ठाकरे और एनसीपी की तरफ से शरद पवार अपने ही खड़े किए नेताओं के खिलाफ जनता की अदालत में जा रहे हैं। देखना होगा कि जनता से इन्हें सहानुभूति मिलती है या नहीं। लेकिन इस प्रक्रिया में एकदम नए नेतृत्व का उभरना तय है। दोनों दलों को अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों से अलग ऐसे प्रत्याशी चाहिए होंगे जो लड़ने और जीतने का माद्दा रखते हैं। कुल मिलाकर, इसमें संदेह नहीं कि आने वाला समय महाराष्ट्र की राजनीति को नई धज, नया तेवर देगा।

शिक्षा में गुणवत्ता को लेकर स्थिति संतोषजनक नहीं

देश में शिक्षा की सूरत में सुधार के लिए लंबे समय से प्रयास चल रहे हैं

देश में शिक्षा के प्रसार के लिए समय-समय पर अनेक कार्यक्रम और अभियान चलाए गए और इसी का परिणाम है कि अब ज्यादातर बच्चे औपचारिक शिक्षा के दायरे में आ गए हैं। मगर इसी के समांतर इस बात की जरूरत भी महसूस की गई कि पढ़ाई-लिखाई के दायरे के विस्तार के साथ-साथ उसमें गुणवत्ता एक अहम पहलू है और इसे सुनिश्चित किए बिना शिक्षा के प्रसार की कोई खास अहमियत नहीं रह जाएगी।

इसलिए खासकर स्कूली शिक्षा में गुणवत्ता की समय-समय पर जांच के लिए कुछ मानक तय किए गए और उसके मुताबिक इस बात की पड़ताल की जाती है कि किस राज्य ने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कितनी मेहनत की। स्कूली शिक्षा सूचकांक तैयार करने की इसी व्यवस्था के तहत केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने जो ताजा 'ग्रेडिंग' सूचकांक जारी किया है, उसमें पंजाब और चंडीगढ़ ने बेहतर प्रदर्शन तो किया है, लेकिन कोई भी राज्य या फिर केंद्र शासित प्रदेश तय दस श्रेणियों में से शीर्ष पांच हासिल नहीं कर पाए। यानी कहा जा सकता है कि शिक्षा में गुणवत्ता को लेकर देश के सभी राज्यों में स्थिति अभी संतोषजनक नहीं है।

दरअसल, सभी राज्यों में पंजाब और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ भी जितना हासिल करने में सक्षम हो सके हैं, उसे अधूरी कामयाबी कहा जा सकता है। तय मानकों में इन्हें अभी लंबा सफर तय करना है। गौरतलब है कि सन 2017 में शुरू किए गए इस प्रदर्शन ग्रेडिंग सूचकांक में दस ग्रेड तय किए गए हैं। इसके आधार पर भारत के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की शिक्षा के क्षेत्र में प्रदर्शन की स्थिति का आकलन किया जाता है।

इसका मकसद शिक्षा के मामले में राज्यों का ध्यान निवेश से परिणाम की ओर स्थानांतरित करने के अलावा लगातार वार्षिक सुधारों के लिए मानक तय करना, गुणवत्ता में सुधार, सबसे बेहतर साधनों को साझा करना और राज्य के नेतृत्व वाले नवाचार के प्रयोगों को प्रोत्साहित करना है। इसमें खासतौर पर यह सुनिश्चित करने की कोशिश की गई है कि इस संबंध में किए गए कार्यों का नतीजा क्या सामने आ रहा है और उसका प्रबंधन कैसे किया जा रहा है। यों भी अगर किसी कार्यक्रम के सालों साल चलते रहने के बावजूद उसकी गुणवत्ता में सुधार नहीं होता है तो उसका कोई सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आ सकता।

हालांकि देश में शिक्षा की सूरत में सुधार के लिए लंबे समय से प्रयास चलते रहे हैं। कई ठोस कार्यक्रम भी लागू किए गए, लेकिन हकीकत यह है कि सबसे बेहतर संसाधन वाले राज्यों में भी उम्मीद के अनुरूप नतीजे हासिल नहीं किए जा सके हैं। दरअसल, किसी कार्यक्रम के संचालित करने के समांतर गुणवत्ता के स्तर पर लगातार बेहतरी लाना एक अनिवार्य कसौटी होनी चाहिए।

देश की स्कूली शिक्षा व्यवस्था की तस्वीर का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पिछले कई सालों से लगातार आने वाली रपटों में यही तथ्य सामने आता रहा है कि पांचवीं, छठी या उससे ऊपर की कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चे भी दूसरी या तीसरी कक्षा की किताबें ठीक से नहीं पढ़-समझ पाते। जरूरत इस बात की है कि निचली कक्षाओं के बच्चों के बीच सीखने की प्रक्रिया को ज्यादा संगठित तरीके से संचालित किया जाए और उसमें नवाचार को बढ़ावा दिया जाए, ताकि शिक्षा में गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। वरना, सीखने-समझने से वंचित स्कूली बच्चों से समूची शिक्षा व्यवस्था का एक अधूरा पटल ही तैयार होगा।

मन कुछ खाली-खाली सा है...

सबकुछ होते हुए भी अधूरा- सा है,
दुनिया की गर्दीशो से वाकिफ है,
सामान्य होने पर दिखता धुंधला- सा है,
मन कुछ खाली- खाली सा है...
तू क्या, मैं क्या सबकुछ माटी है,
ये जानकर भी बहुत उदास है,
हृदय पटल पर कुछ भारी- सा एहसास है,
मन कुछ खाली- खाली सा है...
भीड़ में भागता है, कुछ न पाता है,
होड़ करके मन बहुत थकाता है,
नश्वर वस्तुओं के लिए बेताब- सा है,
फिर भी मन कुछ खाली- खाली सा है

रिया गाजीपुरे

लोहे की रिंग पर किया हाथ साफ

गोंदिया -रामनगर थानांतर्गत ग्राम हिवरा की साइड पर रखे 38 लोहे के रिंग को किसी अज्ञात ने सूना मौका पाकर चुरा लिया। घटना 7 से 8 जुलाई के बीच घटी। चोरी गई रिंग की कीमत 4 हजार रुपए बताई गई है। विजय नगर निवासी फरियादी वसंत रामगोपाल यादव (32) की रिपोर्ट पर रामनगर पुलिस ने भादंवि की धारा 379 के तहत मामला दर्ज किया है। इस मामले की जांच पुलिस हवलदार फुलबांधे कर रहे हैं।

संदिग्ध स्थिति में मिले तीन युवकों को दबोचा

गोंदिया -दवनीवाड़ा थानांतर्गत ग्राम हाबुटोला (बिरसी) नाले के पुल पर रात के अंधेरे में 3 युवक संदिग्ध स्थिति में पुलिस उपनिरीक्षक सुखदेव राउत को गश्त के दौरान अंधेरे में छुपे हुए दिखाई दिए। उनके पास से दो लोहे की आरी भी मिली। वे किसी घटना को अंजाम देने के लिए अंधेरे में छुपे थे ऐसा बताया जा रहा है। फरियादी पुलिस हवलदार मिलकीराम भुरसीराम पटले की रिपोर्ट पर दवनीवाड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है। इस मामले की जांच पुलिस हवलदार मिलकीराम पटले कर रहे हैं।

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर विशेष

अनचाहे गर्भ के लिए निःशुल्क अंतरा इंजेक्शन का करे प्रयोग अब समय आ गया है कि पुरुष नसबंदी के लिए पहल करें और मेरा परिवार मेरी जिम्मेदारी ले - डॉ. नितिन वानखेड़े

बुलंद गोंदिया। हर साल 11 जुलाई को पूरे विश्व में विश्व जनसंख्या दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर जनसंख्या वृद्धि के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है तथा उस पर मंथन किया जाता है। 1989 में, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के कार्यकारी बोर्ड ने 11 जुलाई, 1987 को विश्व की जनसंख्या 5 बिलियन का आंकड़ा पार करने की स्मृति में 11 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। विश्व की बढ़ती जनसंख्या के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। इस दिन परिवार नियोजन, गरीबी, लैंगिक समानता, मानसिक स्वास्थ्य, नागरिक अधिकार और अन्य विषयों पर चर्चा की जाती है। कहा जाता है कि जनसंख्या किसी देश की ताकत होती है। जनसंख्या का आकार किसी देश के विकास आदि को भी प्रभावित करता है। यदि किसी देश की जनसंख्या अधिक है तो उस देश का विकास धीमा होता है। ऐसे देशों के सामने कई चुनौतियां खड़ी हो जाती हैं. बढ़ती जनसंख्या को बनाए रखने से लेकर प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग तक कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। तेजी से बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए हमारे देश में 1952 से राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम लागू किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत गर्भाधान अवधि को बढ़ाने के अस्थायी तरीके जैसे गर्भनिरोधक गोलियाँ, जन्म नियंत्रण गोलियाँ, (आपातकालीन गोलियाँ आदि) शामिल हैं। उपलब्ध है। बांझपन को रोकने के लिए पुरुष और महिला नसबंदी सर्जरी उपलब्ध हैं। उपयुक्त लाभार्थियों को प्रेरित करने और सर्जरी करने के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के माध्यम से जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ-साथ ग्रामीण अस्पतालों में अनुभाग सर्जरी शिविर आयोजित किए जाते हैं। अब समय आ गया है कि मेरे परिवार को पुरुष नसबंदी सर्जरी के लिए पहल करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

राज्य जनसंख्या नीति

जन्म दर कम करने के लिए परिवार कल्याण कार्यक्रम का गुणवत्तापूर्ण कार्यान्वयन आवश्यक है। 2 या 1 बच्चे के लिए अधिकतम पुरुष नसबंदी, पुरुष नसबंदी की स्वीकृति, 2 बच्चों के बीच पर्याप्त अंतर बनाए रखने के लिए गुणवत्तापूर्ण गर्भ निरोधकों का उपयोग। कम उम्र में शादी, यह तर्क कि केवल बेटा ही चाहिए, दो बच्चों के बीच कम दूरी आदि। स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से लोगों में जागरूकता पैदा की जा रही है।

परिवार नियोजन उपकरणों का उपयोग

गर्भावस्था को लम्बा करने में उपयोगी।

दो बच्चों के बीच उचित दूरी बनाए रखने के लिए संतान नियम उपकरण का उपयोग किया जाता है।

कई बार गर्भवती होने के बाद आगे गर्भधारण को रोकने के लिए ऐसा किया जाता है।

प्रसव के बाद मां की उचित देखभाल जरूरी है।

प्रसव के बाद किसी प्रशिक्षित व्यक्ति (डॉक्टर, नर्स, प्रशिक्षित दाई) द्वारा नियमित जांच जरूरी है। पहले 8 से 10 दिन तक प्रतिदिन निरीक्षण करना चाहिए। इसके बाद 6 सप्ताह तक फॉलो-अप साप्ताहिक होना चाहिए। इसके बाद छह माह तक हर माह जांच करानी चाहिए।

प्रसवोत्तर अवधि के दौरान जननांग संक्रमण से बचने के लिए साफ कपड़े और व्यक्तिगत स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

प्रसव के बाद जितनी जल्दी हो सके (तुरंत) स्तनपान शुरू कर देना चाहिए। यह मां और बच्चे दोनों के लिए फायदेमंद है। यदि प्रसव के तुरंत बाद या किसी भी समय रक्तस्राव भारी हो तो तत्काल चिकित्सा सलाह की आवश्यकता होती है।

यदि आपको तेज बुखार, ऐंठन, भूख न लगना जैसे लक्षण हैं, तो आपको तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

प्रसवोत्तर अवधि के दौरान पर्याप्त चौकोर और स्वस्थ आहार की आवश्यकता होती है। और इसे माता को देना चाहिए.

एनीमिया से बचाव के लिए आयरन की गोलियां 100 दिनों तक खानी चाहिए।

1 से 2 महीने के बाद, धीरे-धीरे पिछली सभी गतिविधियाँ फिर से शुरू करें।

प्रसव के बाद की अवधि में मां की उचित देखभाल से मातृ मृत्यु दर को निश्चित रूप से कम किया जा सकता है।

माँ को स्तनपान बढ़ाने या बंद करने के लिए उचित सलाह देकर प्रेरित करना आवश्यक है।

परिवार नियोजन सर्जरी पुरुष और महिला दोनों ही करा सकते हैं।

पालने को लम्बा क्यों करें?

बहुत अधिक बच्चे होने से दंपत्ति को और परिणामस्वरूप परिवार को कई नुकसान होते हैं।

लगातार गर्भधारण से बच्चों की मां कमजोर हो जाती है।

वह प्रत्येक बच्चे की देखभाल के लिए समय, धन और ऊर्जा खो देती है।

एक बड़े परिवार में पोषण, बच्चों की शिक्षा, भोजन, आश्रय बहुत महंगा होता है।

जैसे-जैसे गर्भावस्था के तनाव के कारण आई कमजोरी ठीक होने के दिन बीतते हैं, माँ को बहुत तकलीफ होती है और उसकी कमजोरी ठीक नहीं होती है।

यदि दूसरा बच्चा जल्दी न हो तो पहले बच्चे का पालन-पोषण अच्छे से किया जा सकता है। इसकी अच्छे से देखभाल की जा सकती है.

कोई तो पालना तान दे

15 से 40 वर्ष की आयु की महिलाओं को गर्भावस्था को लम्बा करने का प्रयास करना चाहिए। सभी जोड़े जो नवविवाहित हैं, जिनके एक बच्चा है, दो या दो से अधिक बच्चे हैं, पालने का विस्तार करने के लिए उपयुक्त हैं।

गर्भनिरोधक/कंडोम

यह प्रयोग करने में आसान है। लेकिन कई पुरुष इसका इस्तेमाल करना पसंद नहीं करते. क्योंकि कभी-कभी ये टूट जाता है. इसलिए यह बहुत सुरक्षित नहीं लगता. यदि यह फट जाए तो वीर्य में मौजूद शुक्राणु महिला की योनि में प्रवेश कर जाते हैं। कंडोम बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं। इसका उपयोग परिवार नियोजन के साथ-साथ यौन संचारित संक्रमणों की रोकथाम के लिए भी किया जाता है।

तंबी/कॉपर टी

ये वेजाइनल डाइलेटर्स महिला की योनि में डाले जाते हैं। उसके लिए एक डॉक्टर या नर्स की जरूरत होती है. लेकिन एक बार इंस्टॉल होने के बाद यह ज्यादा परेशान नहीं करता है। कभी-कभी शुरुआत में यह थोड़ा कठिन हो सकता है। इसमें थोड़ा दर्द होता है और मासिक धर्म के दौरान भारी रक्तस्राव की भी संभावना रहती है। बाद में ये शिकायतें कम हो जाती हैं. एक महीने के बाद जिस महिला को इम्प्लांट किया गया है उससे मिलें, अगर उसे कोई समस्या न हो तो तीन से छह महीने बाद दोबारा उससे मिलें। यदि तंबी अपने आप बाहर आ जाती है तो उसे परिवार कल्याण केंद्र में जाकर दूसरी सीट दिलाने के लिए कहना चाहिए। यदि वह भारी मासिक धर्म रक्तस्राव की शिकायत करती है, तो उसे समझाएं कि यह जल्द ही कम हो जाएगा। यदि उसकी रक्तस्राव या अन्य शिकायतें एक या दो महीने में कम नहीं होती हैं, तो उसे फिर से परिवार कल्याण केंद्र में डॉक्टर के पास भेजा जाना चाहिए।

गर्भनिरोधक गोलियां

इन गोलियों को लेना बहुत आसान है लेकिन इन्हें लेना भूल जाना भी बहुत जोखिम भरा है। इसलिए नियमित रूप से गोलियां लेना जरूरी है। ये गोलियाँ रक्त के थक्के जमने का कारण बन सकती हैं। इससे पैरों में सूजन और दर्द हो सकता है। कभी-कभी रक्तचाप बढ़ जाता है। इसके लिए नियमित निरीक्षण की आवश्यकता है. यदि टेबलेट परिवार कल्याण केंद्र से लाई जाती है तो एक माह के बाद उसकी प्रति परिवार कल्याण केंद्र में लानी होगी। यदि कोई शिकायत हो तो डॉक्टर या स्वास्थ्य नर्स से परामर्श करना आवश्यक है। अगर इन गोलियों से थकान या हल्का रक्तस्राव की शिकायत हो तो कहना चाहिए कि कुछ ही दिनों में शिकायत कम हो जाएगी। हालाँकि, दो महीने के बाद भी, अगर उसकी शिकायतें बंद नहीं हुई हैं और जारी हैं, तो उसे केंद्र में फिर से डॉक्टर को दिखाना चाहिए। सिर दर्द की शिकायत हो या पैर में सूजन या दर्द हो तो परिवार कल्याण केंद्र जाएं।

पुरुष नसबंदी- पुरुष नसबंदी सर्जरी के माध्यम से की जाती है। यह पुरुष के वास डिफेरेंस को अवरुद्ध कर देता है ताकि शुक्राणु वीर्य के साथ लिंग तक नहीं पहुंच सके। हालाँकि, पुरुष का स्खलन जारी रहता है और उसकी संभोग करने की क्षमता प्रभावित नहीं होती है। पर्याप्त और संवेदनशील परामर्श मर्दानगी और यौन क्षमता के बारे में गलत धारणाओं को दूर करने में सहायक है। किसी भी हथियार का उपयोग नहीं किया जाता है, लेकिन चमड़ी के दोनों तरफ बारीक छेद किए जाते हैं और नसों को काटा और बांधा जाता है । पुरुष नसबंदी एक छोटी और सरल सर्जरी है, लेकिन इसके बाद पुरुष को कम से कम 48 घंटे आराम करना चाहिए। उसे एक सप्ताह तक कोई भी भारी वस्तु नहीं उठानी चाहिए। पुरुष नसबंदी कराना हमेशा बेहतर होता है क्योंकि पुरुष जननांग महिला की तुलना में बाहर होता है और शरीर के अन्य हिस्सों में ज्यादा हस्तक्षेप नहीं करता है, जिससे जटिलताएं कम हो जाती हैं।

महिला परिवार नियोजन सर्जरी

इसमें एक महिला के पेट में उसकी फैलोपियन ट्यूब तक पहुंचने के लिए एक छोटा सा चीरा लगाया जाता है, जिसे काट दिया जाता है, बांध दिया जाता है, या दबा दिया जाता है। इसलिए, अंडाशय में बनने वाले अंडे शुक्राणु के साथ निषेचित नहीं होते हैं। अगर सही तरीके से किया जाए तो यह सर्जरी बहुत प्रभावी होती है।

अनचाहे गर्भ के लिए निःशुल्क अंतरा इंजेक्शन

महिलाओं के लिए परिवार नियोजन के लिए सर्जरी के अलावा एक और आसान और सुरक्षित विकल्प उपलब्ध है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि शासन के स्वास्थ्य विभाग द्वारा बिना सर्जरी के अनचाहे गर्भ के लिए अंतरा इंजेक्शन निःशुल्क उपलब्ध कराया गया है। इंजेक्शन लेने के बाद तीन महीने तक महिलाओं को गर्भधारण की चिंता नहीं रहेगी। अगर शादी के बाद पहले बच्चे की इच्छा देर से हो या दो बच्चों के बीच अंतर हो तो अक्सर महंगी दवाओं का इस्तेमाल किया जाता है। हालाँकि, अब अनचाहे गर्भ से छुटकारा पाने का एक आसान, सुरक्षित और प्रभावी उपाय है। महिलाओं के लिए परिवार नियोजन को आसान बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा अंतरा इंजेक्शन उपलब्ध कराया गया है। एक बार यह इंजेक्शन लगवाने के बाद तीन महीने तक गर्भ नहीं ठहरेगा।

महिलाओं के लिए इंजेक्शन के फायदे

अंतरा इंजेक्शन महिलाओं को एनीमिया और ओवेरियन कैंसर से बचाता है। इसका यौन संबंध, प्रजनन क्षमता पर भी कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। हालाँकि, इंजेक्शन बंद करने के बाद गर्भधारण करने में सात से दस महीने लग सकते हैं। परिवार नियोजन के लिए अंतरा इंजेक्शन लेना एक अच्छा विकल्प है। यह इंजेक्शन सभी सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध कराया जाएगा। इसका महिलाओं के स्वास्थ्य पर कोई असर नहीं पड़ता है. अनचाहे गर्भ के लिए यह एक अच्छा उपाय है।

- डा दिनेश सुतार,
अतिरिक्त जिला स्वास्थ्य अधिकारी
जिला परिषद गोंदिया

ट्रैक्टर चुरानेवाला ट्राली के साथ चढ़ा पुलिस के हत्थे

बुलंद गोंदिया-स्थानीय अपराध शाखा पुलिस की टीम को गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत घटित ट्रैक्टर चोरी के आरोपी को चुराई - गई ट्रैक्टर एवं ट्रॉली के साथ गिरफ्त में लेने में सफलता मिली है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गोंदिया ग्रामीण पुलिस थानांतर्गत ग्राम बटाना निवासी शिकायतकर्ता नोहरलाल चुन्नीलाल रहागडाले (64) के खेत में शेड के अंदर रखा महिंद्रा कंपनी का लाल रंग का ट्रैक्टर क्र. एमएच-35/जी-4766 कोई अज्ञात चोर 7 जुलाई की रात 11 से 8 जुलाई को तड़के 4.30 बजे के दौरान चुरा ले गया था। जिसके बाद फरियादी की शिकायत पर गोंदिया ग्रामीण पुलिस ने अपराध क्रू 257/2023 भादवि की धारा 379 के तहत दर्ज किया था। घटना के बाद पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर के निर्देश पर गोंदिया ग्रामीण पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक सचिन म्हेत्रे तथा स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक दिनेश लबडे के मार्गदर्शन में अलग-अलग टीमें चोरी हुए ट्रैक्टर ट्राली तथा अज्ञात चोर

की खोज में जुटी हुई थी। इसी दौरान स्थानीय अपराध शाखा की पुलिस टीम को गोपनीय जानकारी मिली कि दतोरा निवासी रजत उर्फ राजा बड़गे ने अपने मित्र आदेश भालाधरे एवं अन्य दो के साथ मिलकर बटाना से आसोली मार्ग से सटे ईंट कारखाने से होते हुए रात्रि के समय ट्रैक्टर ट्राली चोरी कर बिक्री के लिए कोहमारा होते हुए नागपुर ले गए हैं। पुलिस टीम आरोपी एवं ट्रैक्टर की खोज के लिए रवाना हुई एवं खोज के दौरान ही जाते समय गोंदिया-नागपुर नेशनल हाईवे क्र. 6 पर साकोली के आगे के. के. ढाबा के पास पुलिस टीम को चुराया गया ट्रैक्टर दिखा। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया तो चालक ने ट्रैक्टर भगाकर ले जाने का प्रयास किया। पुलिस स्टाफ ने उसका पीछा कर आरोपी दतारो निवासी रजत उर्फ राजा दादुराम बडगे (32) को गिरफ्त में लिया। उसे विश्वास में लेकर ट्रैक्टर चोरी के संबंध में पूछताछ करने पर उसने अपने फरार साथियों आदेश चरणदास भालाधरे (26), अनिश ओमेंद्र नागभिरे (23) एवं नितेश छबीलाल कावड़े (30) सभी दतोरा निवासी के साथ मिलकर ट्रैक्टर ट्राली चुराने की बात बताई। आरोपी के कब्जे से 4 लाख रुपए मूल्य का महिंद्रा कंपनी का लाल रंग का ट्रैक्टर क्र. एमएच-35/जी-4766 एवं 1 लाख रुपए मूल्य की लाल रंग की ट्राली क्र. एमएच-35/एफ-3458 जब्त की गई। एलसीबी की टीम ने आरोपी को, जब्त किए गए माल के साथ आगे की जांच के लिए गोंदिया ग्रामीण पुलिस के हवाले कर दिया।

जहरीली गॅस से किसान की मौत

गोंदिया- तहसील के बिरसोला में एक किसान की खेत के कुएं में उतरने के बाद दम घुटने से मौत हो गई. घटना 10 जुलाई की दोपहर की है. किसान का नाम सनतलाल उदेलाल नागफासे (45) बताया गया है. जिले में भले ही बारिश हो रही है, लेकिन जैसे-जैसे धूप तेज हो रही है, वैसे-वैसे बांधों में पानी सूख रहा है. अभी धान रोपाई में तेजी आ गई है. इसलिए किसान खेतों में कुएं और बोर से पानी देकर किचड़ बना रहे हैं. तहसील के बिरसोला के किसान सनतलाल नागफासे सुबह कुएं की मोटर खराब होने के कारण उसे ठीक करने के लिए कुएं में उतरा. लेकिन वह बाहर नहीं आया. परिसर के नागरिकों ने उसकी मौत बिजली के करंट से हुई होगी, ऐसा अंदाजा लगाया और रावणवाड़ी पुलिस को सूचित किया. पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जिला खोज व बचाव दल और फायर ब्रिगेड को बुलाया. दोनों टीमों ने मौके पर पहुंचकर शव को बहार निकाला. अनुमान लगाया जा रहा है कि जहरीली गॅस के रिसाव से किसान की मौत हुई होगी.

उमरपायली परिसर में हाथियों का झुंड मचा रहा उत्पात

धान की फसलों को रौंद रहे हाथी - अन्य फसलों को भी पहुंचा रहे नुकसान

बुलंद गोंदिया-हाथियों के झुंड ने उमरपायली ग्राम के कम से कम 20 किसानों के खेतों में घुसकर खेत में लगे धान के पौधों को बुरी तरह से रौंद डाला। ऐसे में किसानों के समक्ष दोबारा रोपाई का संकट निर्माण हो गया है। दोबारा बुआई करने के बाद भी हाथियों का झुंड फसल बर्बाद कर सकता है इस डर से किसान क्या करें क्या न करें इससे परेशान हैं। गड़चिरोली के जंगलों से गोंदिया जिले में वापस आए हाथियों के झुंड ने एक बार फिर जिले के किसानों एवं ग्रामीणों के नाक में दम कर रखा है। पिछले दो-तीन दिनों से हाथियों के इस झुंड ने अर्जुनी मोरगांव तहसील के गोठनगांव वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले उमरपायली परिसर में अपना डेरा जमा रखा है। दिन के समय यह हाथी घने जंगल परिसर में रहते हैं। लेकिन रात होते ही खेतों में एवं वनक्षेत्र से सटे गांवों में उत्पात मचाने लगते हैं। जिसके कारण इस परिसर के ग्रामीण एवं किसान दहशत के साए में जीवन जीने को मजबूर हो गए हैं। इन दिनों सारे जिले में किसान धान की नर्सरी लगातार रोपाई के काम में व्यस्त हैं। ऐसे में खेतों में घुसकर हाथियों का यह झुंड रोपी गई धान की फसल को रौंद रहे है। ऐसी स्थिति में हाथियों के झुंड द्वारा

मचाए जा रहे उत्पात के कारण उमरपायली एवं आस-पास के गांवों के किसानों के समक्ष यह प्रश्न निर्माण हो गया है कि वे खेती करने के लिए खेतों में धान की रोपाई करें या दिन-रात हाथियों के झुंड से फसल को बचाने के लिए चौकीदारी करें। प्राप्त जानकारी के अनुसार हाथियों के इस झुंड ने उमरपायली ग्राम के कम से कम 20 किसानों के खेतों में घुसकर खेत में लगे धान के पौधों को बुरी तरह रौंद डाला है। ऐसे में किसानों के समक्ष दुबारा रोपाई का संकट निर्माण हो गया है। लेकिन इसके लिए पौधे कहां से लाए ? यह भी एक बड़ी समस्या निर्माण हो रही है और यदि किसी तरह पौधों की व्यवस्था कर दूसरी बार रोपाई करें तो हाथियों का झुंड फिर उसे बर्बाद नहीं करेंगा इसकी गारंटी कौन लेगा। हाथियों का झुंड केवल खेतों तक ही उत्पात नहीं मचा रहा है बल्कि किसानों के घरों के आस-पास लगे पेड़-पौधों को भी बर्बाद कर रहा है। उमरपायली के ही कुछ किसानों के घरों के पास लगे केले के एवं अन्य प्रकार के पेड़ों को इन हाथियों ने उखाड़कर काफी नुकसान किया है।

ढीवरटोली से सिलेगांव सड़क का निर्माण करें

गोरेगांव-तहसील के ढीवरटोली- गणखैरा-चिचगांव-पुरगांव-सिलेगांव मार्ग की हालत पिछले 10 वर्षों से दयनीय है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढों का निर्माण हो गया है। जिसकी वजह से परिसर के नागरिकों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिससे मार्ग का तत्काल निर्माण किया जाए। इस तरह की मांग नागरिकों ने करते हुए मुख्य कार्यकारी अभियंता ए.डी. कावड़े को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि ढीवरटोली- गणखैरा-चिचगांव-पुरगांव-सिलेगांव तक मार्ग की हालत खस्ता हो गई है। जिससे नागरिक बेहद परेशान हो गए हैं। सड़क के गड्ढों से आवागमन करनेवाले नागरिकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। परिसर के नागरिकों ने अनेक बार सड़क दुरुस्ती की मांग की। बावजूद ना जनप्रतिनिधि इस ओर ध्यान दे रहे हैं और न ही संबंधित विभाग नागरिकों की परेशानियों को हल करने की जहमत उठा रहा है। ऐसे में पिछले 10 वर्षों से सड़क की हालत जस की तस बनी हुई है। फिलहाल बारिश का मौसम शुरू हो चुका है। गड्ढों में बारिश का पानी भरा हुआ है। ऐसे में वाहन चालकों के साथ दुर्घटना होने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। इसी मार्ग से शालेय व महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के साथ ही नागरिक आवागमन करते हैं। उन्हें भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जनप्रतिनिधियों द्वारा नागरिकों की समस्या पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिए जाने के चलते परिसर के नागरिकों में रोष का माहौल है। सड़क निर्माण मंजूर कराने के लिए जिप सदस्य जितेंद्र कटरे निरंतर प्रयास कर रहे हैं। मार्ग निर्माण को मंजूरी भी मिली है। बावजूद इसका निर्माण नहीं कराया जा रहा है।

पुरी- अहमदाबाद ट्रेन से डेढ़ लाख का गांजा बरामद

बुलंद गोदिया-ऑपरेशन नारकोस के तहत रेलवे सुरक्षा बल गोंदिया के प्रभारी निरीक्षक वी.के. तिवारी के नेतृत्व में मंडल टास्क टीम द्वारा 8 जुलाई को गोंदिया रेलवे स्टेशन में जांच की जा रही थी। इस दौरान गाड़ी संख्या 12843 पुरी- अहमदाबाद एक्सप्रेस से टीम द्वारा 14.636 किलो गांजा बरामद किया गया। जिसकी कीमत 1 लाख 42 हजार 620 रुपए बताई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंडल टास्क टीम के उपनिरीक्षक रूपेश बन्सोड, प्र.आ. गंभीर सिंह तोमर, प्र.आ. प्रशांत दलाई, प्र.आ. राजेन्द्र रायकवार, आरक्षक विकास पटले, आरक्षक अकबर खान एवं रेसुब पोस्ट गोंदिया के उप निरीक्षक सी.के.पी. टेंभुर्णीकर व आरक्षक अमित संयुक्त रूप से गोंदिया स्टेशन परिसर व यात्री गाडियों में अवैध रूप से मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम हेतु विशेष निगरानी एवं चेकिंग करते हुए ऑपेरशन नारकोस चला रहे थे। तब एक गुप्त सूचना के आधार पर उक्त बल सदस्यों द्वारा गाडी संख्या 12843 पुरी-अहमदाबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस के गोंदिया स्टेशन प्लेटफार्म संख्या 3 पर दोपहर 1.45 बजे जनरल डिब्बे की चेकिंग की गई। कोच के शौचालय परिसर में एक लाल-पीले रंग का मध्यम आकार का बैग मिला। जिसमे हिंदी में महक सिल्वर पान मसाला लिखा हुआ था, जो संदिग्ध व लावारिस अवस्था में पाया गया। उक्त बैग के बारे में कोच में बैठे यात्रियों से पूछताछ की गई। लेकिन किसी भी यात्री ने बैग के मालिक की जानकारी नहीं होना बताया। पश्चात उक्त बैग को जनरल कोच से बाहर निकालकर प्लेटफार्म में रखा गया और उपस्थित सभी बल सदस्यों के समक्ष चैन खोलकर देखा गया। बैग में सघन सेलो टेपिंग किए हुए 7 नग पैकेट दिखाई दिए। जिसमें से एक पैकेट को चेक करने पर उसमे तीक्ष्ण गंध वाला मादक पदार्थ गांजा होना पाया 7 गया। इसकी सूचना फोन के माध्यम से वरिष्ठ अधिकारियों एवं मंसुनि कक्ष नागपुर को समय दोपहर 2 बजे दी गई। गांजे को सैंपलिंग व सीलिंग करते हुए कानूनी कार्रवाई हेतु दस्तावेजों सहित जीआरपी गोंदिया को सुपुर्द किया गया। जहां अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 109/23, धारा 8 (सी), 20 (बी) (2), एनडीपीसी के तहत मामला दर्ज कर आगे जांच शुरू है।

सालेकसा के शेरपार जंगल में पट्टेदार शेर का शिकार 20 आरोपियों को छत्तीसगढ़ वन विभाग ने गिरफ्तार कर खाल व नाखून किया जप्त

बुलंद गोंदिया। छत्तीसगढ़ राज्य के बीजापुर में कुछ लोगों द्वारा पट्टेदार शेर की खाल खरीदी थी। जिन्हें बीजापुर वन विभाग के अधिकारियों द्वारा 6 जुलाई को बाघ की खाल व नाखून के साथ गिरफ्तार किया जांच में जानकारी प्राप्त हुई कि शेर का शिकार गोंदिया जिले के सालेकसा तहसील के शेरपार जंगल से किया गया तथा वही के शिकारियों से खरीदा गया जिसके पश्चात इस मामले में छत्तीसगढ़ वन विभाग द्वारा शिकारी व खाल खरीदने वाले 20 आरोपियों को हिरासत में लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मामला इस प्रकार है कि गोंदिया जिले के सालेकसा तहसील के मुख्य आरोपियों द्वारा पट्टेदार शेर का करंट लगाकर शिकार किया था। शिकार के पश्चात शेर की खाल, नाखून, हड्डी व अन्य सामग्री की बिक्री आमगांव तहसील के आरोपियों के सहयोग से छत्तीसगढ़ राज्य के बीजापुर के सीआरपीएफ के सब इंस्पेक्टर अमित झा व उसके अन्य सहयोगियों को की थी। इसकी जानकारी छत्तीसगढ़ राज्य के बीजापुर वन विभाग के अधिकारियों को मिलते ही 6 जुलाई को शेर की खाल व अन्य सामग्री मूंछ के बाल, हड्डी, नाखून सहित खरीदी करने वाले

आरोपियों को गिरफ्तार कर कड़ाई से पूछताछ की जिस पर आरोपियों द्वारा जानकारी दिया गया कि गोंदिया जिले के सालेकसा तहसील के शिकारियों द्वारा शेर का शिकार कर किया गया व उनके सहयोगियों के माध्यम से खाल व अन्य साहित्य की खरीदी की गई। जिसके पश्चात बीजापुर वन विभाग के अधिकारियों द्वारा कार्रवाई कर शिकार करने वाले मुख्य आरोपी सालिक मरकाम उम्र 55 वर्ष कोसाटोला/मुरुपार निवासी, सूरज मरकाम उम्र 45 वर्ष कोसाटोला/मुरुपार, जियालाल मरकाम नवाटोला सालेकसा इन तीनों को गिरफ्तार किया। जिन्होंने स्वीकार किया कि करंट लगाकर शेर का शिकार किया है तथा जांच में घटनास्थल से शिकार किए गए शेर के अवशेष भी मिले। तीनों आरोपियों को शेर की खाल की बिक्री में मदद करने वाले अन्य आरोपियों में गेंदलाल भोयर उम्र 55 वर्ष लबान धारणी,लभानधारणी, तुकाराम बघेले 59,भाडीपार, अंगराज कटरे 67 दरबडा,वामन फुंडे 60,सिंधीटोला इन चार आरोपियों को सालेकसा तहसील से गिरफ्तार किया गया। अन्य आरोपी आमगांव तहसील निवासीशामराव शिवनकर उम्र 53 वर्ष, रेलवे में नौकरी करने वाला जितेंद्र पंडित नालंदा बिहार निवासी हा.मु आमगांव निवासी, यादवराव पंधरे बोदरा जि. भंडारा, अशोक खोटेले 50,गुदमा गोंदिया से कुल 11 आरोपियों को बीजापुर वन विभाग के अधिकारियों द्वारा गिरफ्तार कर बीजापुर छत्तीसगढ़ ले जाया गया है। उपरोक्त प्रकरण में खरीदी व शिकार तथा बिक्री करने वाले कुल 20 आरोपियों को वन विभाग द्वारा हिरासत में लिया गया है।

जिले में शेर का शिकार गोंदिया वन विभाग को जानकारी नहीं

गोंदिया जिले में संरक्षित वन क्षेत्र टाइगर रिजर्व एनएनटीआर है जिस में शेरों की संख्या बढ़ाने के लिए शासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं किंतु जिले में शिकारियों की टोली सक्रिय है जिसकी जानकारी गोंदिया वन विभाग को नहीं है तथा शेर के शिकार जैसे गंभीर मामले की भी जानकारी ना होना व छत्तीसगढ़ वन विभाग द्वारा इस मामले का खुलासा करना यह गोंदिया वन विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह निर्माण लगा रहा है।

नवोदय विद्यालय में दस्तावेज की जांच पड़ताल कर दिया जा रहा प्रवेश

गोंदिया-कक्षा 5वीं में प्रवेश के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय द्वारा परीक्षा का आयोजन किया गया था। लेकिन इस परीक्षा में गड़बड़ी होने का आरोप लगाते हुए अभिभावकों ने जिलाधिकारी व जवाहर नवोदय विद्यालय नवेगावबांध से शिकायत की गई थी। शिकायत का संज्ञान लेकर नवेगांवबांध जवाहर नवोदय विद्यालय प्रशासन द्वारा दस्तावेजों की बारीकी से जांच-पड़ताल कर प्रवेश प्रक्रीया शुरू की है। इस जांच के बाद लगाए गए गड़बड़ी के आरोपों में कितना सत्य पाया जाता है यह पता चलेगा। बता दें कि जवाहर नवोदय विद्यालय द्वारा परीक्षा का आयोजन 29 अप्रैल 2023 को किया गया था। जिसमें 80 सीट आरक्षित की गई थी। इन सीटों में 60 सीट ग्रामीण व 20 सीट शहरी छात्रों के लिए आरक्षित रखी गई थी। इस परीक्षा का परीणाम 21 जून को घोषित किया गया। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही कुछ परीक्षार्थियों के अभिभावकों ने गड़बड़ी होने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी व जवाहर नवोदय विद्यालय नवेगांवबांध प्रशासन से शिकायत कर जांच की मांग की थी। जिसे गंभीरता से लेते हुए जवाहर नवोदय विद्यालय प्रशासन ने बारीकी से दस्तावेजों की जांच कर प्रवेश प्रक्रिया शुरू की है। अब इस जांच में कोई गड़बड़ी पाई जाती है या नहीं? इसकी जानकारी जल्द ही विद्यालय प्रशासन द्वारा अभिभावकों को दी जाएगी।

गर्रा में विविध विकास कामों का भूमिपूजन

गोदिया-ग्राम गर्रा बु. में 21 लाख रुपए की लागत से पटवारी भवन, सीमेंट सड़क एवं माता मंदिर सड़क सीमेंटीकरण निर्माण का भूमिपूजन पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के हाथों किया गया। अध्यक्षता जिप सदस्य रितेश मलघाम ने की। इस अवसर पर अग्रवाल ने कहा कि ग्राम ग्राम ने वर्ष 2004 के विधानसभा चुनाव में 80 प्रतिशत मतदान देकर उन पर भरोसा जताया था और इसके लिए वे हमेशा आभारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि रेलवे चौकी से गर्रा बु. की सड़क के गड्ढे देखकर निश्चित ही दुख हुआ। गर्रा खु. और गुर्रा बु. के बीच की सड़क को भी दुरुस्त कराना मैं अपना धर्म समझता हूं। नागरिकों के हितों की चिंता और गोंदिया विधानसभा क्षेत्र का विकास मेरा धर्म है। इस समय मलघाम ने भी अपने विचार व्यक्त किए। भूमिपूजन समारोह में पूर्व पंस सभापति माधुरी हरिणखेडे, सुनीता दिहारी, कुलदीप पटले, आशीष मिश्रा, गमचंद तुरकर, गणेश बरडे, मनोज बोरकर, उषा बरडे, सविता राऊत, ललिता टेकाम, शीला तिघारे, सरीता तांडेकर, रामप्रकाश बिसेन, अनिल राऊत, योगराज बिसेन, मिथुन बरडे, राजकुमार बरडे, सत्यवान बरडे, कुंजीलाल रहांगडाले आदि उपस्थित थे।

डा. श्वेता कुलकर्णी की नियुक्ति

अर्जुनी मोरगांव -प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चान्ना / बाक्टी की वैद्यकीय अधिकारी डा. श्वेता कुलकर्णी की अर्जुनी मोरगांव तहसील वैद्यकीय अधिकारी के रूप में नियुक्ति की गई है। तहसील स्वास्थ्य अधिकारी, तहसील नमंत्रक पथक अर्जुनी मोरगांव में कार्यरत डा. विजय राउत का प्रशासकीय स्थानांतरण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ईडदा में किया गया। लेकिन ईडदा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का प्रशासकीय कामकाज शुरू होते तक उन्हें स्वास्थ्य विभाग जिप गोंदिया में नियुक्त किया गया है। अर्जुनी मोरगांव के तहसील स्वास्थ्य अधिकारी के रिक्त पद पर डा. श्वेता कुलकर्णी की नियुक्ति की गई है। डा. कुलकर्णी ने तहसील वैद्यकीय अधिकारी के रूप में पद संभाल लिया है। तहसील वैद्यकीय अधिकारी, तहसील नियंत्रण पथक कार्यालय का पदभार संभालने वाली डा. श्वेता कुलकर्णी पहली महिला वैद्यकीय अधिकारी है। इस समय डा. सुरेंद्र खोब्रागडे, डा. कुंदन कुलसुंगे, समुदाय स्वास्थ्य अधिकारी, संजू मेश्राम व कर्मी उपस्थित थे।

दिशा आरोग्य संस्था, स्वास्थ एवं सामाजिक क्षेत्र में प्रगति करे-पूर्व विधायक राजेंद्र जैन

दिशा आरोग्य संस्था का 24 वा वर्धापन दिन संपन्न

बुलंद गोंदिया–9 जुलाई को डॉक्टर देवाशिष चटर्जी के मार्गदर्शन में आदिवासी क्षेत्र दरेकसा में कार्यरत दिशा आरोग्य संस्था के 24 वे वर्ष में पदार्पण करने पर समारोह आयोजित किया गया। दिशा संस्था के माध्यम से दरेकसा आदिवासी क्षेत्र में सामाजिक व आरोग्य क्षेत्र के अनेकों कार्य सम्पन्न हुए। दिशा संस्था स्वास्थ एवं सामाजिक क्षेत्र में भविष्य में और प्रगति करे यह शुभकामना पूर्व विधायक राजेंद्र जैन ने दीं। दिशा आरोग्य कुटीर के परिसर में सांसद प्रफुल पटेल की स्थानिक सांसद निधी (15 लक्ष रू) से नवनिर्मित गट्टू का लोकार्पण संपन्न हुआ। इस कार्य के लिये दिशा आरोग्य संस्था ने प्रफुल पटेलजी, पूर्व विधायक राजेंद्र जैन का आभार माना।

इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, डॉ देवाशिष चटर्जी, डॉ कुदडे, डॉ प्रमोद मुंदडा, डॉ दीपक बहेकर, जुगल किशोर अग्रवाल, डॉ विकास जैन, डॉ बजाज, डॉ दर्पण चौधरी, राजेंद्र पटेल, डॉ अनुराग बहेकर, दिनेश पटेल, विजय शिवनकर, रमेश भैय्या, डॉ साजिद, डॉ अभिजित शेंडे, वानखेडे गुरुजी, विनय अग्रवाल, हरगोविंद चौरसिया, रौनक ठाकूर सहित संस्था के पदाधिकारी, विद्यार्थी बहुसंख्या मे उपस्थित थे।

हमारे भीतर छुपी प्रतिभा को पहचानना ही जीवन का मूलमंत्र- अविनाश धर्माधिकारी

बुलंद गोंदिया। नमस्ते, एक ऐसा शब्द है जिसमें पूरा ब्रह्मांड समाया हुआ है। ये भीतर से निकली एक चेतना है। ऊर्जा है, जो ईश्वर से प्रार्थना करती है। हमसब के अंदर भी वो ऊर्जा, चेतना है जो हमें कुछ करने के लिए प्रोत्साहित करती है। बस हमें हमारे भीतर के ईश्वर को पहचानना होगा, तभी हम जीवन में किसी भी क्षेत्र में सफल हो सकते है। उक्त सम्बोधन देश के प्रख्यात मार्गदर्शक पूर्व आईएएस अधिकारी अविनाश धर्माधिकारी हजारों की संख्या में उपस्थित छात्र छात्राओं व पालकों को सम्बोधित कर व्यक्त रहे थे।

विशेष है कि क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्यकर्ता 10-12वीं के विद्यार्थीयों को अपने जीवन में आगे बढ़ने, कैरियर बनाने व सफल व्यक्तित्व कैसे निर्माण हो, अपने सपनों को ऊंची उड़ान देकर ख्याति कैसे अर्जित कर पाए इसे गंभीरता से लिये हुए क्षेत्र के विधायक विनोद अग्रवाल शिक्षित युवाओं, युवतियों को रोजगार, उचित मार्गदर्शन हेतु सदैव कटिबद्धता से कार्य करते रहते है।

इसी क्रम में 9 जुलाई को विधायक विनोद अग्रवाल ने शिक्षा क्षेत्र में आगे बढ़ रहे युवाओं, युवतियों के उचित मार्गदर्शन हेतु पोवार बोर्डिंग के विशाल सभागृह में कैरियर व स्पर्धा परीक्षा मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया था। जिसमें चाणक्य मंडल परिवार व फार्च्यून फाउंडेशन के संयुक्त उपक्रम के तहत देश के प्रख्यात mpsc/upsc मार्गदर्शन एकेडमी के संचालक पूर्व आईएएस अधिकारी अविनाश धर्माधिकारी छात्र छात्राओं व पालकवर्ग को मार्गदर्शन कर संबोधित कर रहे थे।

अविनाश धर्माधिकारी ने अपने मार्गदर्शन में आगे कहा, सबके भीतर ऊर्जा और चेतना भरी पड़ी है। बस हमें उसे जागृत करने की जरूरत है। ये अलग अलग हो सकती है। कोई साइंस में ध्यान देता है तो कोई क्रीड़ा संस्कृति में। कोई कला में, कोई बायोलॉजी में। किसी को साहित्य, लेखन में रुचि होती है और किसी को लोकसेवा में। हमें अपनी प्रतिभा की पहचान कर उस फील्ड में आगे बढ़ने का कार्य करना चाहिये।

श्री धर्माधिकारी ने कहा, हमें अपने मस्तिष्क को, पेशियों को ठीक रखने का प्रयत्न करना चाहिये। अपने अंदर के ईश्वर को पहचानों, और वो किस रास्ते से प्रकट होता है उसे पहचानो। यही हमारे करियर का, मूलमंत्र है। उन्होंने कहा, ऐसी कौनसी बात है जिसमें हम लीन हो जाते है। हमारे अंदर छुपी प्रतिभा के तहत उसका चयन करें। हमें गुणों को जानना होगा। हमें तय करना होगा कि हम किस तरफ करियर बना सकते है। हम जीवन में सफल हो सकते है। आगे कहा, जो बच्चे स्पर्धा परीक्षाओं में आगे बढ़ना चाहते है उन्हें ये समझना चाहिए कि ये स्पर्धा परीक्षा लोकसेवा है। स्वच्छ देशसेवा के लिए है। अच्छा अधिकारी बनने के लिए, वो स्वच्छ हो, भ्रष्ट न हो, जातपात वाला ना हो, कार्यक्षम हो। उसमे कार्यक्षमता होना चाहिये। अनुशासन पर कार्य करता हो। ये भाव हो कि भारत देश का कार्यक्षम कार्यकर्ता अधिकारी हूँ। तभी हम देश की सेवा हेतु कार्य कर सकते है। इस दौरान उन्होंने गोंदिया के अमित का उल्लेख करते हुए उसे आईएसएस अधिकारी बनें इस हेतु शुभकामनाएं दी और सभी छात्र छात्राओं को ऐसे अमित बनकर देशसेवा में योगदान देने की शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने सम्बोधन में गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल को एक आदर्श विधायक बताया और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य पर कार्य करने पर उनके हौसलों की प्रशंसा की। कार्यक्रम के दौरान मंच पर विधायक विनोद अग्रवाल, आशीष वांदिले, एपीएमसी सभापति भाऊराव ऊके, पंस सभापति मुनेश रहांगडाले, कशिश जयस्वाल, छत्रपाल तुरकर, शिवशर्मा, घनश्याम पानतवने , चेतालीसिंह नागपुरे, विनोद किराड़, जिप सदस्य आनंदा वाढीवा, ममता वाड़वे, दीपा चंद्रीकापुरे, वैशाली पंधरे, धर्मेश अग्रवाल, दीपक बोबडे, नीतू बिरिया, विमलताई मानकर, विवेक मिश्रा, सुषमा मेश्राम, रोहित अग्रवाल, अजित टेंभरे, अभय मानकर, शेखर सहारे, जितेश टेंभरे, आदि सहित बड़ी संख्या में जनता की पार्टी चाबी संगठन के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

धोखाधड़ी से बचना हो तो आधार कार्ड अपडेट करवाएं : कावरे

सालेकसा–यदि आपका आधार कार्ड 10 वर्षो से अधिक पुराना है और पहले कभी अपडेट नहीं किया गया है, तो आधार कार्ड और इससे संबंधित धोखाधड़ी से बचने के लिए इसे तुरंत अपडेट करें। साथ ही, प्रत्येक किसान को एक रुपये में अपनी फसल का बीमा कराना चाहिए। यह अपील ग्राम पंचायत के सरपंच नरेश कावरे ने की है। इस साल से किसानों को दोनों सीजन के लिए सिर्फ एक रुपये का फसल बीमा देना होगा। शेष राशि का भुगतान भारत सरकार द्वारा किया जाएगा। किसान फसल बीमा पोर्टल, बीमा कराने के लिए सामुदायिक सुविधाएं किसान अपना आवेदन होंगे। केंद्र या बैंक में जमा कर सकते हैं। गांव वालों की सेवा के लिए आधार अपडेट एवं फसल बीमा भुगतान की सुविधा ग्राम पंचायत कार्यालय सातगांव/साखरीटोला में उपलब्ध है। फसल बीमा के बाद, बीमित किसान बुआई से लेकर कटाई तक नुकसान के सभी चरणों में मुआवजे के पात्र होंगे। इसके अलावा, प्राकृतिक आपदाए जैसे आग, बिजली, तूफान, चक्रवात, बाढ़, किसानों को भूस्खलन, सूखा, कीट, बीमारी, अनियमित वर्षा, बाढ़, ओलावृष्टि, खराब मौसम के कारण फसलों की बुआई न हो पाना, स्थानीय आपदाओं के कारण नुकसान, फसल के बाद की क्षति आदि के कारण फसल के नुकसान का मुआवजा मिलेगा। सरपंच नरेश कावरे किसानों एवं नागरिकों से उक्त योजना का लाभ उठाने का आव्हान किया है।

ग्रामीण बैंक के सामने से दोपहिया हुई चोरी

गोंदिया– गोंदिया ग्रामीण थानांतर्गत आवरीटोला (गुदमा) निवासी फरियादी वीरेंद्र हरिचंद खवासे (46) की दोपहिया को किसी अज्ञात ने अदासी स्थित ग्रामीण बैंक के सामने से चोरी कर लिया। उक्त वाहन बिना नंबर का बताया गया है। जिसकी कीमत 60 हजार रुपए बताई गई है। यह घटना 7 जुलाई को घटित हुई। फरियादी की रिपोर्ट पर गोंदिया ग्रामीण पुलिस ने भादंवि की धारा 379 के तहत मामला दर्ज किया है। इस मामले की जांच पुलिस हवलदार बहेकार कर रहे हैं।

जहर गटकने से वृद्ध की मौत

गोंदिया– रावणवाड़ी थानांतर्गत दासगांव खुर्द निवासी डिगुलाल नत्थूजी कोल्हे (60) ने 7 जुलाई को जहर गटक लिया। इस दौरान उसे केटीएस अस्पताल में भरती किया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। रावणवाड़ी पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है। इस मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक पाटील कर रहे हैं।

दिव्यांग कार्यालय गोरेगाव का उद्घाटन व संमिश्र कार्यशाला संपन्न

बुलंद गोंदिया। दिव्यांग शिक्षण व प्रशिक्षण संस्था द्वारा संचालित दिव्यांग कल्याणकारी संघटना की 14वी वर्षगांठ के अवसर पर गोरेगांव में दिव्यांगों के लिए सलाह व मार्गदर्शन केंद्र का उद्घाटन व संमिश्र कार्यशाला जिला परिषद अध्यक्ष पंकज राहंगडाले की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुई। उपरोक्त कार्यक्रम का उद्घाटन गोरेगांव पंचायत समिति के सभापति मनोज बोपचे के हस्ते किया गया तथा कार्यशाला में प्रमुख वक्ता अभिजीत राऊत दिव्यांग पुनर्वासन समन्वयक नागपुर, वर्माजी तेलंग डिसेबीलिटी राईट्स एक्टीविष्ट नागपुर की प्रमुख उपस्थिति मैं आयोजित हुआ। इस अवसर पर आशीष बारेवार पूर्व नगर अध्यक्ष गोरेगांव, अजीत सिंह पवार खंड विकास अधिकारी, एच.पी गौतम सहायक गटविकास अधिकारी, टि.डी.बिसेन विस्तार अधिकारी, जगदीश येरोला, प्रभाकर राव, ओमप्रकाश बिसेन जिला अध्यक्षदिव्यांग कर्मचारी संघटना ,के दिगंबर बंसोड़ संस्था अध्यक्ष, शोभेलाल भोंगाडे उपाध्यक्ष, दिनेश पटले सचिव योगेश घाटबांधे राज्य क्रीडा पुरस्कार खिलाड़ी भंडारा, गौरीशंकर बघेले पूर्व सचिव दिव्यांग संस्था व तहसील के पदाधिकारी व दिव्यांग बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष पंकज राहंगडाले ने कहा कि दिव्यांगों के लिए 5त्न निधि को बढ़ाकर आगामी वर्ष में 7 से 8त्न का नियोजन किया जाएगा तथा दिव्यांगों के सर्वांगीण विकास के लिए हम उनके साथ हमेशा मजबूती से खड़े हैं। साथ ही संस्था को शासकीय कार्यालय भी उपलब्ध करवाकर देने का उन्होंने इस अवसर पर आश्वासन दिया। दिव्यांगों की विभिन्न योजनाएं अधिनियम के विषय में अभिजीत राउत व वर्माजी तेलंग द्वारा मार्गदर्शन किया। गोरेगांव में संस्था का कार्यालय शुरू होने पर सलाह व मार्गदर्शन कक्ष के माध्यम से सभी दिव्यांगों की सभी सुविधा निशुल्क उपलब्ध की जाएंगी ऐसी जानकारी संस्था अध्यक्ष दिगंबर बंसोड़ द्वारा अपने प्रस्तावना में बताएं बताई तथा आगे उन्होंने कहा कि संस्था के आर्थिक उत्पन्न का कोई भी साधन प्रोजेक्ट ना होने से स्वयं खर्च व जन सहयोग के माध्यम से संस्था द्वारा अनेकों सम्मेलन दिव्यांग विवाह क्रीडा स्पर्धा आयोजित किये व मोर्चा आंदोलन उपोषण अनशन किया है तथा विभिन्न समस्याओं पर शासन का ध्यान केंद्रित कर दिव्यांगों को एक दिलासा देने का कार्य किया है। कार्यक्रम का संचालन संस्था सचिव दिनेश पटले तथा आभार प्रदर्शन शोभेलाल भोंगाडे ने माना तथा कार्यक्रम की सफलता के लिए आकाश मेश्राम,चंद्रशेखर कुंभरे, विनोद शेंडे, हरीष गुप्ता, योगेश लिल्हारे, अशोक रामटेके, खुमेंद्र कावळे, राजकुमार भेंडारकर, कोमल बारेवार, योगेश पशिने, सुनिल ठाकुर, राजु बरीयेकर, जितेंद्र कावळे, तोमेश कटरे, सहेबाज शेख, दुर्गेश जावलकर, दामीनी पटले, भुमेश्वर पटले, देवलाल शरनागत व अन्य पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत की।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी मरकजी कमेटी गोंदिया के सदर बनें ज़ाहिद सोलंकी

बुलंद गोंदिया। वर्ष 2023 में जश्ने ईद मिलादुन्नबी (12 रबीउल अव्वल) सितंबर माह में है। इस्लाम के अव्वल व आखरी नबी हजरत मोहम्मद (स.अ. व.) साहब इसी दिन 12 रबीउल अव्वल के दिन दुनिया में आये थे, और इसी दिन उनकी वफात हुई थी। इस दिन को इस्लाम धर्म को मानने वाला मुस्लिम समुदाय पूरी दुनिया में उनकी पैदाईश पर जश्न मनाता है, जुलूस निकालता है और अमन, शांति-सौहार्द का संदेश देता है। पिछले साल की तरह इस साल भी गोंदिया शहर में जश्ने ईद-ए-मिलाद को बेहतर तरीके से मनाने मरकज़ी सीरतुन्नबी कमेटी कार्य में जुट गई है। मरकज़ी सीरतुन्नबी कमेटी शहर की बड़ी कमेटी है जिसके निगरानी में शहर के सभी कमेटियों को मिलाकर बड़ा जुलूस का आयोजन इस कमेटी के माध्यम से किया जाता है। इस वर्ष के जुलूस-ए-मोहम्मदिया के नए सदर के लिए तथा आने वाली तैयारीयों को लेकर मरकज़ी सीरतुन्नबी कमेटी ने हाल ही में एक मीटिंग मुस्लिम समुदाय के लोगो की मौजूदगी में केमिस्ट भवन हाल में रखी थी।इस मीटिंग में पिछले कमेटी व जुलूस के सदर रहे सरफराज गोंडिल के कार्यो को मुस्लिम समुदाय ने सराहा। नए सदर के चयन को लेकर सरफराज गोंडिल व ज़ाहिद सोलंकी का नाम सामने आया। समाज के जिम्मेदार लोगो ने चयन प्रक्रिया के लिए हाथ उठाकर समर्थन देने की घोषणा की, जिसमें ज़ाहिद उमरदीन सोलंकी को मुस्लिम समाज के अधिक लोगों का समर्थन मिला और उन्हें जुलूस-ए- मोहम्मदिया व मरकज़ी सीरतुन्नबी कमेटी का नया सदर घोषित किया गया।

सगंधित तंबाखू समेत साढ़े 10 लाख का माल जब्त

गोदिया–नेशनल हाईवे क्र. 6 पर डुग्गीपार पुलिस ने 8 जुलाई को बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित सुंगधित तंबाखु सहित साढ़े 10 लाख रूपए का माल जप्त किया है। इस मामले में आरोपियों के खिलाफ डुग्गीपार पुलिस थाने में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। इस मामले की जांच सहायक पुलिस उपनिरीक्षक सरोदे द्वारा शुरू कर दी गई है। इस संदर्भ में डुग्गीपार पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि नेशनल हाईवे क्र. 6 पर स्थित नैनपुर के समीप स्कार्पिओं वाहन क्र. एमएच-33/वी-1809 की जब तलाशी ली गई तो इस स्कार्पिओं में सुगंधित तंबाखु के पॉकेट पाए गए। जिस पर झेन टोबॅको, पी.व्ही. टी.एल.पी.डी लॅपकॉमन दसकोई तहसील अहमदाबाद गुजरात कंपनी द्वारा तैयार किया गया होला हुक्का शिशा टोबॅको का लेबल पाया गया। इस प्रकार 15 हजार नग सुगंधित तंबाखु के पॅकेट मिले। प्रत्येक पॅकेट की कीमत 164 रूपए आंखी गई है। इस प्रकार सुगंधित तंबाखु की कीमत 2 लाख 46 हजार एवं स्पार्पिओ वाहन की कीमत 8 लाख रूपए इस प्रकार कुल 10 लाख 46 हजार रूपए का माल जप्त कर लिया गया है। इस मामले में वाहन चालक के खिलाफ धारा 188, 272, 273, 34 भादंवि के तहत मामला दर्ज किया गया है

ट्रैक्टर की चपेट में आने से युवक की गई जान

रावणवाड़ी -जिले के गोंदिया तहसील के चारगांव में सड़क किनारे मोबाइल पर बात कर रहे युवक की दुर्घटनावश ट्रैक्टर की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक का नाम चारगांव निवासी प्रेमलाल पंधरे (42) बताया गया है। यह दुर्घटना रविवार, 9 जुलाई की सुबह 8 बजे के दौरान घटी। प्राप्त जानकारी के अनुसार चारगांव निवासी प्रेमलाल पंधरे यह घर के सामने सड़क किनारे मोबाइल पर बात कर रहा था। उसी समय सिरपुर मार्ग से ट्रैक्टर लेकर जा रहे चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए सड़क किनारे खड़े प्रेमलाल को जोरदार टक्कर मारी, जिसमें उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस मामले में रावणवाड़ी पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आगे की जांच शुरू है।

महाराष्ट्र आम आदमी पार्टी संगठन में विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों की नियुक्ति

बुलंद गोंदिया–आम आदमी पार्टी के नेता गोपाल इटालिया ने उक्त समिति की घोषणा करते हुए कहा कि अब से महाराष्ट्र के नवनियुक्त पदाधिकारी आम आदमी पार्टी के मिशन नीतियों को महाराष्ट्र के सभी आम लोगों तक पहुंचाएंगे और साथ ही जनहित में किए गए कार्यों की जानकारी भी देंगे।

दिल्ली और पंजाब के हर कोने के साथ-साथ राज्य के हर गांव, तहसील और जिले में लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इटालिया ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे। इस नियुक्ति में प्रदेश अभियान प्रभारी रंगा राचुरे, उपाध्यक्ष विजय कुम्हार, उपाध्यक्ष धनंजय शिंदे, संगठन सचिव संदीप देसाई, अजीत फटके, नविंदर सिंह अहलूवालिया, भूषण ढाकुलकर, मनीष मोदक, हनुमंत चाटे, अजीत खोत, रियाज पठान, महिला अघाड़ी अध्यक्ष सीमा गुट्टे , युवा अघाड़ी के अध्यक्ष मयूर दौंडकर, राज्य मीडिया प्रमुख चंदन पवार, समिति के सदस्य देवेंद्र वानखेड़े और संजय कोल्हे को नियुक्त किया गया है। गोपाल इटालिया ने कहा है कि आप पार्टी को मजबूत बनाने के लिए पूरे महाराष्ट्र में राज्य से लेकर तहसील स्तर तक नियुक्तियां की जाएंगी।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।